**भारत सरकार**

**मानव संसाधन विकास मंत्रालय**

**स्‍कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग**

**राज्य सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या : 47**

**उत्तर देने की तारीखः 24.11.2014**

**विद्यालयों में बच्चों का नामांकन**

**47. श्री सी॰ पी॰ नारायणनः**

**क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः**

(क) क्या देश में छह से चौदह वर्ष की आयु वाले सभी बच्चों का विद्यालयों में नामांकन हुआ है;

(ख) इनमें से कितने बच्चे सरकार द्वारा प्रदान की गई निःशुल्क शिक्षा की सुविधा का लाभ उठा पा रहे हैं;

(ग) क्या इन बच्चों की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु सभी राज्यों में पर्याप्त संख्या में सरकारी विद्यालय हैं;

(घ) क्या बच्चों की कमी के कारण राजस्थान, तेलंगाना जैसे राज्यों में बड़ी संख्या में सरकारी विद्यालय बंद किए जा रहे हैं; और

(ङ) क्या ऐसे कदम से वास्तव में कई विद्यार्थी और विशेषकर पिछड़ी जाति के विद्यार्थी विद्यालयों में शिक्षा प्राप्त करने के अवसर से वंचित रह जाते हैं?

**उत्तर**

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्‍य मंत्री

**(**श्री उपेन्‍द्र कुशवाहा)

**(क) से (ग): 2011 की जनगणना में 6-13 आयु समूह में 20.78 करोड़ बच्‍चों का अनुमान लगाया गया था। 2013-14 में, नि:शुल्‍क शिक्षा प्रदान करने वाले 13.79 लाख सरकारी और सरकार द्वारा सहायता प्राप्‍त स्‍कूलों सहित 14.49 लाख प्रारंभिक स्‍कूलों में 19.89 करोड़ बच्‍चे प्रारंभिक स्‍कूलों में नामांकित थे।**

**(घ) और (ङ): किसी भी राज्‍य सरकार ने इस बात की सूचना नहीं दी है कि बच्‍चों की अनुपलब्‍धता के कारण स्‍कूल बंद कर दिए गए हैं, तथापि, राजस्‍थान जैसी कुछ राज्‍य सरकारों ने स्‍कूलों के समेकन की कार्यवाही के बारे में सूचित किया है।**

**\*\*\*\*\***